Title: Provision for two-helmet by two wheelers Production companies.

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल (हमीरपुर): माननीय सभापति जी, मैं नशे के विरुद्ध बोलना चाहता था, लेकिन मेरा विषय आ गया है, इसलिए मैं विषय परिवर्तन करना चाहता हूं। देश में दुर्घटनाएं विकराल रूप धारण कर रही हैं। माननीय नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश में हाईवे और सड़कों का बहुत अच्छे तरीके से निर्माण हो रहा है और धीरे-धीरे औसत गति भी बढ़ रही है।

मैं बुंदेलखंड क्षेत्र से आता हूं। मेरा क्षेत्र काफी घुमावदार है क्योंकि यहां नदी, पहाड़, जंगल हैं। भौगोलिक स्थिति खराब होने के कारण सामान्य रोड में भी काफी मोड़ होते हैं और दुर्घटनाएं भी होती हैं।

मैं सदन में टू-व्हीलर से चलने वाले लोगों के साथ होने वाली दुर्घटनाओं के बारे में विषय रखना चाहता हूं। हम संसद में चुनकर आते हैं, लोग हमें चुनकर भेजते हैं। अगर किसी को कहीं पर बिना हेलमेट के पकड़ा जाता है तो हम कई बार दबाव या संकोच में पुलिस आदि को फोन कर देते हैं कि इनको छोड़ दिया जाए। एक बार ऐसी ही घटना हुई तो मैंने संकल्प लिया कि अगर कोई भी व्यक्ति बिना हेलमेट पकड़ा जाएगा, चाहे वह नाराज हो जाए, मैं दोबारा जीतकर आऊं या न आऊं, लेकिन मैं उसकी सिफारिश नहीं करूंगा।

मैं आपसे एक और निवेदन करना चाहता हूं। मेरे यहां एक हाइवे था। उस हाइवे पर निरंतर घटनाएं घट रही थीं। हमारे प्रदेश में पहले सपा और बसपा की सरकार होती थी।? (व्यवधान) यह एक बहुत ही संवेदनशील मामला है। उस हाइवे को फोर लेन बनाना चाहिए था। बीओटी प्रोजेक्ट के तहत उसको सिंगल रोड बनाया गया। मेरे संसदीय क्षेत्र मौदहा और भरुआ क्षेत्र के एक-एक गाँव से 20-20 लोगों का जीवन समाप्त हो गया।

महोदय, मैं हेलमेट की बात करके अपनी बात पूरी कर रहा हूं। मेरा निवेदन है कि कई बार लोग जो बाइक से अपने घर से निकलते हैं, रास्ते में कोई उनका मित्र, परिचित या गाँव का कोई आदमी मिलता है और जब उसको कोई साधन नहीं मिलता है तो वे उसको अपनी गाड़ी में बैठा लेते हैं। उस समय उनके पास हेलमेट नहीं होता है। उनके पास मजबूरी होती है, क्योंकि एक ही हेलमेट होती है।

मैं भारत सरकार से आग्रह करता हूं कि जितनी भी मोटर साइकिल निर्माता कंपनियां हैं, जो भी टू व्हीलर व्हीकल बनाते हैं, अभी इलेक्ट्रिक व्हीकल बन रहे हैं, हर वाहन में दो हेलमेट रखने की जगह बनाई जाए और उसमें हेलमेट का नम्बर भी डाला जाए।

महोदय, मैं बहुत संवेदनशील विषय पर बात कर रहा हूं। जब कभी उसकी चेंकिंग हो, वह उसके पास मिले, ताकि उनका शोषण न हो सके और पुलिस भी उनको परेशान न कर सके। मजूबरी में जो लोग किसी राहगिर को लिफ्ट देते हैं और अपने वाहन पर बैठाते हैं, उसका जीवन बच सके और सुरक्षित रह सके।

महोदय, आपने मुझे बहुत महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का समय दिया, आपका बहुत-बहुत दिया।